

अनुक्रम

सम्पादकीय //

सबद निरन्तर // 6

एक डायरी प्रसंग : रमेशचन्द्र शाह

धरोहर // 12

प्राचीनतम देश का संविधान अँग्रेजी में होना कलंक है : सेठ गोविन्द दास

स्मृति शेष - अनुपम मिश्र // 16

संन्यासी की वृत्ति, शिल्पी की निष्ठा : बनवारी

आलेख // 19-42

एक अल्प परिचित ग्रन्थ : संत श्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज कृत 'अमृतानुभव' : मोहन बाँडे

प्रसाद का मूल्यपरक जीवन दर्शन : मिथिलेश दीक्षित

नई कविता और नवगीत का द्वन्द्व समास : अजित कुमार राय

स्मरण // 43

स्मृति के वातायन में : कृष्णदत्त पालीवाल : नवीन चन्द्र शुक्ल

साक्षात्कार // 47

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी से रामशंकर द्विवेदी की भेंट वार्ता

ललित निबंध // 58

माँ : वल्लभ डोंगरे

शब्द चित्र // 62

मैन् इन यूनीफॉर्म : विजय कुमार

संस्मरण // 64-69

उषादेवी मित्रा : ब-कलम खुद

आस्था और न्याय : न्यायमूर्ति डी.एम. धर्माधिकारी

जीवन मंत्र // 70

व्यस्त रहें, मस्त रहें : पं. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी

पुस्तक चर्चा // 72

स्मृतियों के साथ काल का पुनर्सृजन : आवाहामि:ले. रमेशचन्द्र शाह : स्मृति शुक्ला

कहानी // 77-95

अकल्पनीय गुरुदक्षिणा : लतिका खानवलकर

यक्ष-प्रश्न : पुरुषोत्तम चक्रवर्ती

नाता : सीताराम गुप्ता

मिसरी की फाँस : सुमन चौरे

सावित्री : देवकीनन्दन शुक्ल

लघुकथा // 96-99

यातायात सिग्नल के स्वरोजगारी / नीयत के कारण गरीब हैं : सुदर्शन सोनी

आज का गुरु : हेमन्त उपाध्याय

कविताएँ / गीत / नवगीत / दोहे //99-103

शिवशंकर मिश्र, कुमकुम गुप्ता, सुभद्रा खुराना

प्रभुदयाल खरे, राजा चौरसिया

समीक्षा // 104-111

हरा आकाश (रमेश दवे) : प्रमोद त्रिवेदी

स्थापित होता है शब्द हर बार (राघवेन्द्र तिवारी) : घनश्याम मैथिल 'अमृत'

कुछ ज्वाला कुछ जल (चन्द्रसेन विराट) : युगेश शर्मा

हम कविता जीते हैं (अशोक कुमार बाजपेयी) : श्यामसुन्दर चौधरी

पत्रिकाओं का संसार //112

अहद प्रकाश

पुस्तक परिचय //114

पत्रांश//115-118

मुखपृष्ठ//श्री विनोद वर्मा